eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 01, Issue 12, Dec 2022

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन

[1]सोमेन्द्र सिंह
[2]डॉ0 सतीश पाल सिंह
[1]शोधार्थी, शिक्षा विभाग दिगम्वर जैन महाविद्यालय, बड़ौत (बागपत) सम्बद्ध- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
[2]एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग दिगम्वर जैन महाविद्यालय, बड़ौत (बागपत) सम्बद्ध- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

Abstract

आधुनिक परिपेक्ष्य में शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों की भूमिकाएँ व सम्बन्ध बदल रहे हैं। जहाँ शिक्षक मात्र पाठ्यक्रम के माध्यम से ही विद्यार्थी से जुड़ना अपना कर्तव्य समझता है वहीं शिक्षार्थी का शिक्षक से सम्बन्ध भी मात्र कक्षा-कक्ष तक ही सीमित रह गया है। क्योंकि आज पठन-पाठन कार्य संगठित शिक्षण संस्थाओं में होता है। आधुनिक शैक्षिक संस्थाएँ अनेक कारकों से प्रभावित रहती हैं। इन समस्त कारकों का प्रभाव शिक्षण संस्था के वातावरण पर भी पड़ता है जो शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया को प्रभावित करता हैगत कुछ वर्षों में इन्हीं समस्याओं का समाधान करने हेतु अनेक शोध कार्य किए गए हैं। प्रस्तुत शोध कार्य हेतु भी शोधार्थी द्वारा ऐसे ही कुछ चरों व कारकों का चयन किया गया है जो शिक्षण अधिगम व शिक्षक की कार्यप्रणाली को प्रभावित करते है। प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शोधार्थी द्वारा राजकीय व अनुदानित महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण, शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता जैसे चरों व कारकों का अध्ययन किया जाना प्रस्तावित है। संस्थागत वातावरण के सभी स्तरों पर अनुदानित शिक्षक अधिक व्यवसायिक प्रतिबद्ध है। इसके विभिन्न कारण हो सकते हैं, जैसे अनुदानित महाविद्यालयों में मानवीय संसाधनों का पर्याप्त होना। अनुदानित महाविद्यालयों में भौतिक संसाधनों का पर्याप्त होना। अनुदानित महाविद्यालयों में शैक्षिक संसाधनों व पर्यावरण का अच्छा होना। अनुदानित महाविद्यालयों में प्रबंधन व अनुशासन का उत्तम होना।

Keywords:- महाविद्यालयों का संस्थागत वातावरण, संदर्भ, राजकीय एवं अनुदानित पुरुष शिक्षक, व्यावसायिक प्रतिबद्धता

Introduction

शिक्षण-अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों में शिक्षक, शिक्षार्थी व संस्था के प्रधान के व्यावहारिक पक्ष, संस्था का प्रबंधन व प्रशासन संबंधी पक्ष, संस्था का शैक्षिक वातावरण, पाठ्यक्रम सम्बन्धी कारक आदि हो सकते हैं। प्राचीन शिक्षा प्रणाली में उक्त समस्त कारक इतने प्रभावी नही होते थे क्योंकि किसी शैक्षिक संस्था के संचालन से इतने पक्ष प्रत्यक्ष रूप से संबन्धित नही थे। विद्यालय या गुरुकुल का शिक्षक ही सर्वेसर्वा होता था। परंतु आधुनिक शिक्षा संस्थाओं में समय-समय पर अनेक समस्याएँ परिलक्षित होती हैं जो शिक्षण अधिगम को प्रभावित करती हैं। शिक्षा को पहले द्विपक्षीय माना जाता था परंतु बाद में शिक्षा को त्रिध्रुवीय यथा- शिक्षक, शिक्षार्थी व पाठ्यक्रम को माना गया। आधुनिक परिपेक्ष्य में शिक्षा को बहुध्रुवीय माना गया है। क्योंकि शिक्षक, शिक्षार्थी व पाठ्यक्रम के अतिरिक्त शैक्षिक संस्था का वातावरण, प्रशासन व समाज भी शैक्षिक प्रक्रिया को प्रभावित करता है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी बच्चे के सीखने को उसकी आनुवंशिकी के अतिरिक्त वातावरण ही सबसे अधिक प्रभावित करता है। ठीक उसी प्रकार संस्था के वातावरण का प्रभाव शिक्षक की कार्यशीलता को भी प्रभावित करता है। संस्था का वातावरण कई प्रकार से शिक्षक की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकता है। यदि संस्था का वातावरण शिक्षक के अनुकूल होगा तो शिक्षक अपने व्यवसाय व कार्यदायित्व के प्रति प्रतिबद्ध व सजग रहेगा और उसे संस्था में समायोजन करने में समस्या का सामना नही करना पड़ेगा, जिसका सीधा प्रभाव शिक्षक की मनोवृत्ति व कार्यशीलता पर पड़ेगा। उत्तम शिक्षण-अधिगम हेतु शिक्षक का अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध व समायोजित होना आवश्यक है। बहुधा यह देखने में आता है कि व्यक्ति की सफलता दिये गये कार्य को कुशलतापूर्वक पूरा करने या लक्ष्य को प्राप्त कर लेने मात्र से सुनिश्चित नही हो सकती है। कार्यस्थल पर भौतिक व सामाजिक परिवेश के अनेक ऐसे आयाम देखे जा सकते हैं जो व्यक्ति की संतुष्टि व सुखानुभूति को प्रभावित करते हैं।

2.उद्देश्य:-

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करना।

3.शोध परिकल्पना

H01. महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 01, Issue 12, Dec 2022

4.प्रमुख शब्दों का परिभाषीकरण

व्यावसायिक प्रतिबद्धता

किसी व्यवसाय या कार्य के प्रति किसी व्यक्ति का समर्पण, निष्ठा, कर्तव्य, परिश्रम व गतिशीलता को व्यावसायिक प्रतिबद्धता कहा जाता है। सामान्य अर्थ में किसी कार्य के प्रति वचनबध्द होने को ही प्रतिबद्धता कहा जाता है। यहाँ शिक्षक की शिक्षण प्रतिबद्धता से तात्पर्य शिक्षकों के उन कार्यों के प्रति, प्रतिबद्धता से है जो शिक्षक आचार संहिता द्वारा उनके लिए निर्धारित किए गए हैं, इनमे समाज के आदर्श भी सम्मिलित होते हैं। शिक्षण प्रतिबद्धता शिक्षकों की एक ऐसी मानसिक अवस्था,दृष्टिकोण अथवा कर्तव्य संकल्प हैं जिसके फलस्वरूप शिक्षक अपने क्रियाकलापों के प्रति समर्पित तथा जागरूक रहते हुये अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर अपने उत्तरदायित्व के लिए ही कार्य करते हैं। अध्यापकों की आचार संहिता में नेशनल एजुकेशन एसोशिएशन ने शिक्षकों के लिए 6 सूत्रीय आचार संहिता बनाई है जो शिक्षक प्रतिबद्धता का पैमाना मानी जा सकती है।

संस्थागत वातावरण

संस्थागत वातावरण या किसी शैक्षिक संस्था का वातावरण, संस्था के स्वास्थ्य के लिए आधारभूत आवश्यकता है। क्योंकि किसी शैक्षिक संस्था या विद्यालय का उत्तम संचालन संस्था के विभिन्न अंग जैसे संस्था प्रधान, शिक्षण,विद्यार्थियों और अन्य स्टाफ के मध्य अनुशासन व समन्वय पर निर्भर करता है। किसी शैक्षिक संस्था का वातावरण एक प्रक्रिया है जिससे संस्था की कार्यप्रणाली में सुधार होता है और संस्था उन्नति के पथ पर अग्रसर होती है। किसी शैक्षिक संस्था का प्रशासनिक संस्थागत वातावरण अनुशासन, समन्वय, सहयोग, सौहार्द, पारदर्शिता, कर्तव्यपरायणता, लगन, स्वानुशासन, स्व-प्रशासन व कार्य के प्रति समर्पण आदि से मिलकर बनता है। जबकि किसी शैक्षिक संस्था के शैक्षिक वातावरण के अन्तर्गत संस्था में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाएं, पाठ्य सहगामी क्रियाएँ, नैतिक शिक्षा, शिक्षक-अभिभावक सहयोग, शिक्षण कुशलता आदि सम्मिलित होते हैं।

राजकीय महाविद्यालय

राजकीय महाविद्यालय से तात्पर्य ऐसी शिक्षण संस्थाओं से है जो विद्यार्थियों को स्नातक व परास्नातक की शिक्षा प्रदान करती है। राजकीय महाविद्यालयों के प्रबंधन व नियुक्तियों पर राज्य सरकार का नियंत्रण होता है।

अनुदानित महाविद्यालय

अनुदानित महाविद्यालय से तात्पर्य ऐसी शिक्षण संस्थाओं से है जो विद्यार्थियों को स्नातक व परास्नातक की शिक्षा प्रदान करती है। अनुदानित महाविद्यालयों के प्रबंधन पर महाविद्यालय की प्रबंधन समिति का नियंत्रण होता है जबकि शिक्षकों व प्राचार्यों की नियुक्तियों उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा की जाती है।

4.न्यादर्श एवं शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन हेतु जनसंख्या के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ उत्तर प्रदेश से संबद्ध समस्त राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों को माना गया है तथा अध्ययन हेतु प्रथम चरण में स्तरीकृत यादृच्छिक न्यदर्शन विधि द्वारा 10 राजकीय एवम् 20 अनुदानित महाविद्यालयों से 75, 75 कुल 150 शिक्षकों का चयन यादृच्छिक विधि से अध्ययन हेतु किया गया ।

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु आँकड़ों का संकलन शोधकर्ता द्वारा निर्मित 'संस्थागत वातावरण प्रश्नावली'एवं'व्यवसायिक प्रतिबद्धता मापनी' का प्रयोग किया गया। आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण करने हेतु शोध उद्देश्यों व परिकल्पनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार मध्यमान, मानक विचलन, टी-परीक्षण और एनोवा परीक्षणों का प्रयोग किया गया।

5. आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

1.1 महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर ज्ञात करने के लिए संस्थागत वातावरण के विभिन्न स्तरों के लिए व्यावसायिक प्रतिबद्धता ज्ञात करने हेतु मध्यमान और मानक विचलन की गणना की गई। यह मान तालिका संख्या 5.1 में तथा प्रसरण विश्लेषण (एनोवा) के मान तालिका संख्या 5.2 में दर्शाये गये हैं-

eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 01, Issue 12, Dec 2022

तालिका- 5.1:संस्थागत वातावरण के विभिन्न स्तरों के संदर्भ में राजकीय व अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता हेतु मध्यमान व मानक विचलन

संस्थागत वातावरण स्तर	संस्था का प्रकार	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या
उच्च	राजकीय पुरुष	225.03	19.60	10
	अनुदानित पुरुष	236.00	14.45	37
	कुल योग	227.36	19.03	47
मध्यम	राजकीय पुरुष	219.03	25.033	54
	अनुदानित पुरुष	231.22	24.246	38
	योग	226.18	25.172	92
निम्न	राजकीय पुरुष	226.73	16.322	11
	अनुदानित पुरुष	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	00
	योग	226.73	16.322	11
कुल योग	राजकीय पुरुष	221.99	22.102	75
	अनुदानित पुरुष	231.20	22.570	75
	योग	226.59	22.737	150

रेखाचित्र 5.1: संस्थागत वातावरण के लिए राजकीय व अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान और मानक विचलन

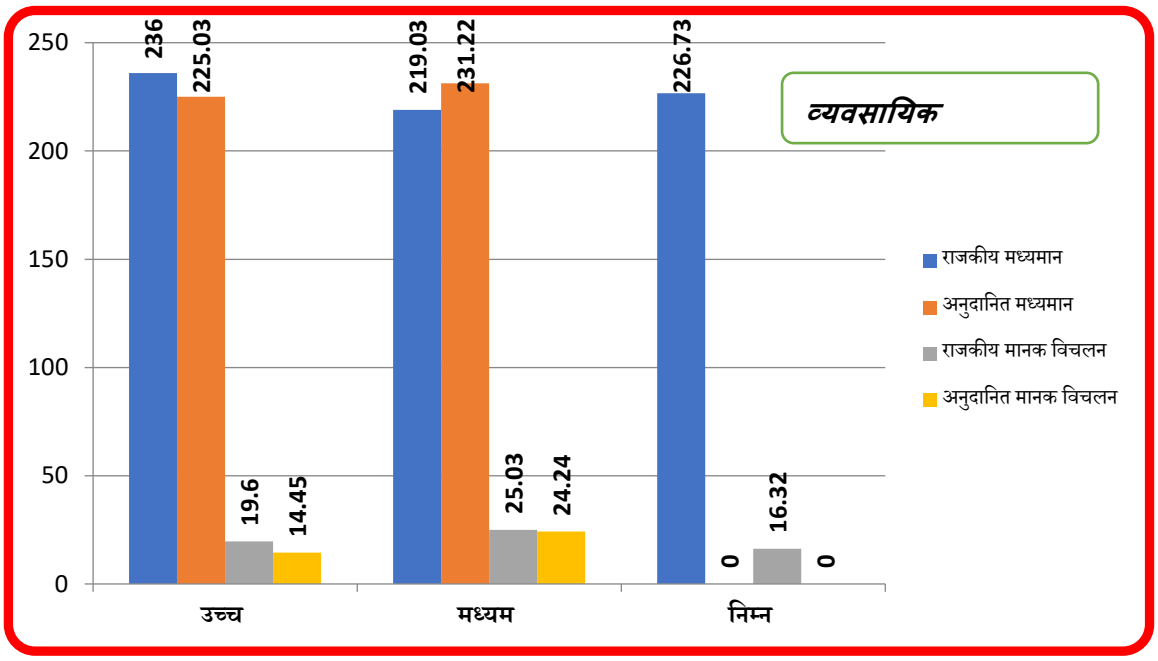

तालिका 5.2: प्रसरण विश्लेषण निष्कर्ष (संस्थागत वातावरण के सन्दर्भ में व्यवसायिक प्रतिबद्धता)

अध्ययन चर (Study Variables)	वर्ग योग (Sum of Squares)	स्वतंत्रांश (df)	मध्यमान वर्ग (Mean Square)	एफ-मान (F-value)

eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 01, Issue 12, Dec 2022

संस्थागत वातावरण स्तर	844.977	2	422.489	.842
संस्था का प्रकार (राजकीय व अनुदानित पुरुष)	3123.431	1	3123.431	6.228*
संस्थागत वातावरण स्तर*संस्था का प्रकार	8.702	1	8.702	.017
त्रुटि	72721.46	145	501.52	

(*0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक)

प्रसरण विश्लेषण के परिणाम से ज्ञात हुआ कि संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय व अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता के लिये एफ- मान (F-Value) 6.228 प्राप्त हुआ। एफ का यह मान स्वतंत्रांश (1, 145) तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। इसलिए शून्य परिकल्पना कि 'महाविद्यालयों के संस्थागत वातावरण के संदर्भ में राजकीय एवं अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है', को निरस्त किया जाता है।

उक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि राजकीय व अनुदानित पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अंतर है। दोनों समूहों में सर्वाधिक प्रतिबद्ध समूह का पता लगाने के लिए तालिका 5.1 में दोनों समूह का मध्यमान देखने से स्पष्ट होता है कि राजकीय पुरुष का मध्यमान 221.99 तथा अनुदानित पुरुष का मध्यमान 231.20 है। अतः कहा जा सकता है कि अनुदानित महाविद्यालयों के पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता राजकीय महाविद्यालयों के पुरुष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता से अधिक है।

तालिका 5.1से स्पष्ट है कि संस्थागत वातावरण के स्तरों के लिए एफ- मान सार्थक नही है, इसका अर्थ है कि कम से कम कोई दो समूह एक दूसरे से सार्थक रूप से भिन्न नही हैं। सार्थक रूप से भिन्न समूहों का पता लगाने के लिये शैफे पोस्ट हॉक विश्लेषण किया गया, जिसे तालिका - 5.3 में प्रदर्शित किया गया है।

Sum of Squares	df	Mean Square
1346.255	2	673.128
34.455	1	34.455
370.303	1	370.303
966.659	1	966.659

तालिका 5.3: संस्थागत वातावरण स्तरों के मध्य, मध्यमान अंतराल की बहुविध तुलना

समूह (I)	समूह (J)	मध्यमान अंतराल (I-J)
उच्च	माध्यम	1.18
	निम्न	.63
मध्यम	उच्च	-1.18
	निम्न	-.54
निम्न	उच्च	-.63
	मध्यम	.54

(*मध्यमान अंतराल 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक)

उक्त तालिका 5.3 के अनुसार कोई समूह एक दूसरे से सार्थक रूप से भिन्न नही है। तालिका 5.3 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि संस्थागत वातावरण के उच्च स्तर के लिए राजकीय पुरुष शिक्षकों का मध्यमान 225.03 तथा अनुदानित शिक्षकों का मध्यमान 236 प्राप्त हुआ। संस्थागत वातावरण के मध्यम स्तर के लिए राजकीय पुरुष शिक्षकों का मध्यमान 219.03 तथा अनुदानित शिक्षकों का मध्यमान 231.22 प्राप्त हुआ। संस्थागत वातावरण के निम्न स्तर के लिए राजकीय शिक्षकों का मध्यमान 226.73 तथा अनुदानित महाविद्यालयों में कोई पुरुष शिक्षक निम्न समूह में नही था।

उक्त गणना से स्पष्ट है कि संस्थागत वातावरण के सभी स्तरों पर अनुदानित शिक्षक अधिक व्यवसायिक प्रतिबद्ध है। इसके विभिन्न कारण हो सकते हैं, जैसे अनुदानित महाविद्यालयों में मानवीय संसाधनों का पर्याप्त होना। अनुदानित महाविद्यालयों में भौतिक संसाधनों का पर्याप्त होना। अनुदानित महाविद्यालयों में शैक्षिक संसाधनों व पर्यावरण का अच्छा होना। अनुदानित महाविद्यालयों में प्रबंधन व अनुशासन का उत्तम होना।

संदर्भ ग्रंथ (Bibliography)

संचेज़, एफ0 पी0 (2022). इन्फ़्लुएन्स ऑफ प्रोफेशनल कमिटमेंट एंड ओर्गेनाइजेशनल क्लाइमेट ऑन द वर्क एंगेजमेंट ऑफ एम्प्लोइस इन द डिपार्टमेन्ट ऑफ एजुकेशन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड मैनेजमेंट (IJSRM), 10*(1), 2971-2998. (Retrieved from: https: //www.ijsrm. in/index.php /ijsrm/article /view/3690/2506 on December 23, 2022)

महाजन, पी0 एवं कौट्स ए0 (2022). स्टडी ऑफ प्रोफेशनल कमिटमेंट एमंग सेकंडरी स्कूल टीचर्स ऑफ पंजाब विद रेसपेक्ट टू टाइप ऑफ स्कूल्स. *जर्नल ऑफ पॉज़िटिव स्कूल साइकोलोजी, 6*(6), 9587-9597.

विदयनिनसीह, एच0, दरमावन, आर0 एवं पेलाना, आर0 (2021). इन्फ़्लुएन्स ऑफ ओर्गेनाइजेशनल क्लाइमेट एंड टीचिंग मोटिवेशन ऑन द परफ़ोर्मेंस ऑफ फिजिकल एजुकेशन टीचर्स. *जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट, 21*(4), 2408-2412. (Retrieved from: https://efsupit.ro/ images/stories/august2021/Art% 20323.pdf on December 27, 2022)

गुप्ता एवं आहूजा (2018). ओर्गेनाइजेशनल कमिटमेंट एंड वर्क एंगेजमेंट एस ए फेसिलिटेटर फॉर सस्टेनिंग हायर एजुकेशन प्रोफेशनल. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेंट टेक्नोलोजी एंड इंजीनीयरिंग (IJRTE), 7*(6S5), 1846-1851. (Retrieved from: https://www.ijrte.org/wp-content/uploads/ papers/v7i6s5/F13310476S5 19.pdf on January 09, 2023)